www.abdp.co.in (देश में दर्शनशास्त्र के सर्वाधिक आजीवन सदस्यों की संख्या) पंजीयन क्रमांक- ०४/१४/०१/१२०८७/१०

दर्शन-परिषद्

(पूर्व नाम : अखिल भारतीय दर्शन-परिषद्)

ALL INDIA PHILOSOPHY ASSOCIATION

(A MEMBER OF F.I.S.P.)

डॉ. सोहनराज तातेड़ अभिनन्दन-ग्रन्थ

सम्पादक मंडल

❖

डॉ. दिलीप चारण
अध्यक्ष
दर्शन विभाग
गुजरात विश्वविद्यालय
नवरंगपुरा, अहमदाबाद-380009
मो. 09825148840
dilips.charan@gmail.com

❖

डॉ. विजय कुमार
निदेशक
आर. एस. शोध संस्थान
एन4/4बी-4आर, शांति निलयन
कृष्णपुरी, करौंदी, वाराणसी-5
मो. 09450240359
vkumar.philosophy@gmail.com

❖

डॉ. किस्मत कुमार सिंह
अध्यक्ष
दर्शन विभाग
एच. डी. जैन महाविद्यालय,
आरा-802301
मो. 09431062825
kismatksingh@gmail.com

सन्दर्भः ..... **दिनांकः .....**

प्रतिष्ठा में-

दर्शन जगत् के यशस्वी विद्वान् योगरत्न, समाजभूषण डॉ. सोहनराज तातेड़ का जन्म राजस्थान के बाड़मेर जिला के जसोल नगर में ५ जुलाई १९४७ को हुआ था। शिक्षा प्राप्ति के पश्चात् आपने राजस्थान सरकार के अभियांत्रिक विभाग में अभियन्ता के रूप में सेवाएं प्रारम्भ की। ३० वर्षों तक सेवाएं देने के पश्चात् अधीक्षण अभियन्ता के रूप में स्वेच्छापूर्वक सेवानिवृत्ति लेकर आपने अपना जीवन दर्शन-जगत् को समर्पित कर दिया। सेवानिवृत्ति के पश्चात् आपने कुलपति के रूप में सिंघानिया विश्वविद्यालय, झुँझुनू में सेवाएं प्रदान की। आप कई वर्षों तक जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय, लाडनूँ के मानद सलाहकार रहे। सम्प्रति, आप राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय शैक्षणिक संस्थाओं में एसोसिएट सदस्य, संरक्षक एवं आजीवन सदस्य तथा देश के कई विश्वविद्यालयों में बाह्य शोध-निर्देशक के रूप में पंजीकृत हैं।

दर्शन, योग और शिक्षा तीनों आयामों के आप गहन अध्येता हैं। परिस्थितियों को बदलना और पुरुषार्थ के लिए निरन्तर प्रयत्नशील रहना आपके व्यक्तित्व के महत्त्वपूर्ण पहलू हैं। तात्त्विकता और सात्त्विकता का समन्वय दुर्लभ है। लेकिन आपके व्यक्तित्व में तात्त्विकता सात्त्विकता से महिमामंडित है। हृदय की उदारता, विशालता और विभिन्न सम्प्रदायों में समन्वय की भावना तो आपके रोम-रोम में समाई हुई है। ज्ञानदीप प्रज्वलित करते हुए आपने अब तक ५१ पुस्तकों का प्रणयन किया है, जिनमें से प्रमुख हैं- **दि जैन डॉक्ट्रिन ऑफ कर्म एण्ड दि साइंस ऑफ जेनेटिक्स, इनलाईटेंड ऑफ महात्मा गांधी, कोट्स ऑफ महात्मा गाँधी, कर्म-मीमांसा, कबीर और आचार्य महाप्रज्ञ का समाज-कल्याण दर्शन, वूमेन एण्ड सिक्खिज्म।** देश-विदेश में अभी तक ६५ से भी अधिक संगोष्ठियों, अधिवेशनों और कार्यशालाओं में आपके व्याख्यान हो चुके हैं, जो प्रकाशित भी हैं। अकादमिक व्याख्यान के संदर्भ में आप जापान, जर्मनी, साउथ कोरिया, बंगलादेश, श्रीलंका, नेपाल और भूटान की यात्रा भी कर चुके हैं। आप '**इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय एकता सम्मान,**' '**युवकरत्न,**' '**जैन ज्ञान-विज्ञान मनीषी,**' '**योगरत्न**' आदि राष्ट्रीय सम्मानों से अलंकृत हैं।

ज्ञान की पूजा हमारी संस्कृति है और ज्ञानवान के प्रति आदर हमारा सौभाग्य। यही कारण है कि डॉ. सोहनराज तातेड़ के दर्शन, योग और शिक्षा के क्षेत्र में दिए गए योगदानों को देखते हुए दर्शन-परिषद् की कार्यकारिणी (पारनेर में आयोजित ५७वें अधिवेशन के अवसर पर) ने '**डॉ. सोहनराज तातेड़ अभिनन्दन-ग्रन्थ**' प्रकाशित करने का निर्णय लिया है। इस ग्रन्थ का शीर्षक '**तत्त्वसंविद्**' होगा जिसके पाँच खण्ड होंगे- **१. डॉ. सोहनराज तातेड़ : व्यक्तित्व एवं कृतित्व, २. दर्शन, ३. नीति और आचार, ४. धर्म एवं साधना और ५. समाज एवं संस्कृति।** एतदर्थ आप से निवेदन है कि प्रकाश्य अभिनन्दन-ग्रन्थ हेतु आप अपना महत्त्वपूर्ण आलेख (जो हिन्दी क्रुतिदेव १० में हार्ड/सॉफ्ट कॉपी) ३१ मार्च तक प्रदान कर इस महनीय आयोजन को अपने रचनात्मक योगदान से सफल बनाने की कृपा करें।

साभार!

(सम्पादक)